

13/4/22 परधानी प्रह्व है / जाहि क

कविबन्ध हाफिद रही / कामाज नावा

गरी जके लाम्बुद की जाहि न
तुके कविबन्ध हाफिद रही

उवाह कामाज नावा गी / डिक

लाम्बुद की कोर हाफिद रही /

परधानी कस हाफिद - डिक

पेदी म डवाहि की जानी

है परधानी के एन एम

हाफिद नमाल के काम हो

हाफिद काम है / एम
13/4/22

मन
13/4/22